समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

मुजफ्फरपुर मे रंाजनीतिक हलचल : चिराग भैया की 'दुलारी' कोमल सिंह को नीतीश ने दिया JDU का टिकट

Publisher

Published on 16 Oct 2025

बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल मची हुई है। मुजफ्फरपुर जिले की गायघाट विधानसभा सीट से **जनता दल यूनाइटेड (JDU)** ने कोमल सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इस निर्णय के साथ ही चुनावी रणभूमि में नए समीकरण बनने की संभावना है। कोमल सिंह ने अपने लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर राजनीति में कदम रखा है, जिससे यह साफ हो गया है कि वह चुनाव को गंभीरता से ले रही हैं।

कोमल सिंह का राजनीतिक संबंध **एलजेपीआर सुप्रीमो चिराग पासवान** से भी माना जाता है। उन्हें अक्सर चिराग भैया की 'दुलारी' के रूप में संबोधित किया जाता है। पिछले चुनावों और राजनीतिक चर्चाओं में कोमल सिंह का नाम लगातार सुर्खियों में रहा है। इस बार चुनावी मैदान में उतरते हुए उन्हें **चाचा नीतीश कुमार का आशीर्वाद** मिला है, जो JDU और बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

गायघाट विधानसभा सीट पर इस समय **राजनीतिक माहौल काफी गर्म** है। स्थानीय नेताओं और वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों ने कोमल सिंह को टिकट देने के पीछे कई राजनीतिक और रणनीतिक कारण बताए हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि JDU का यह कदम युवा और नई चेहरे को सामने लाने की रणनीति का हिस्सा है। कोमल सिंह की लोकप्रियता और चिराग पासवान के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया।

कोमल सिंह ने नौकरी छोड़ने के निर्णय को लेकर मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं है, बल्कि अपने क्षेत्र की **सामाजिक और विकास संबंधी समस्याओं** को हल करना है। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने का उनका मकसद जनता की सेवा करना है और इस बार उन्होंने पूरी तैयारी के साथ चुनावी मैदान में कदम रखा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोमल सिंह की यह एंट्री बिहार की राजनीति में **नए युवा चेहरे और महिला नेताओं की बढ़ती**

हिस्सेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक परिवारों और पुरानी पार्टियों के दबदबे के बीच नए और युवा नेताओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती जा रही है। कोमल सिंह जैसे युवा और उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवार इस दिशा में बदलाव ला सकते हैं।

JDU के लिए यह फैसला केवल उम्मीदवार चुनने का मामला नहीं है, बल्कि **चुनावी रणनीति और गठबंधन समीकरण** का भी हिस्सा है। कोमल सिंह के चुनावी मैदान में आने से विपक्षी पार्टियों को चुनौती मिल सकती है। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि गायघाट विधानसभा सीट पर इस बार चुनावी मुकाबला काफी दिलचस्प रहने वाला है, क्योंकि कोमल सिंह के साथ-साथ अन्य पार्टियों के मजबूत उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

सामाजिक और राजनीतिक विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि कोमल सिंह का चिराग पासवान से नज़दीकी संबंध और नीतीश कुमार का आशीर्वाद उन्हें चुनावी रणनीति में **दोहरी ताकत** प्रदान करता है। इससे न केवल पार्टी के अंदरूनी समीकरण मजबूत होंगे बल्कि मतदाताओं के बीच भी उनका प्रभाव बढ़ेगा।

गायघाट विधानसभा सीट पर पिछले चुनावों का रुझान, वोटिंग पैटर्न और क्षेत्रीय समीकरण इस बार कोमल सिंह के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। हालांकि, युवा नेता होने के नाते और जनता की समस्याओं को समझते हुए उन्होंने **सामाजिक मुद्दों पर फोकस** किया है। उनका कहना है कि उनकी प्राथमिकता शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाना है।

कोमल सिंह की जेडीयू टिकट मिलने की खबर से इलाके में **राजनीतिक हलचल** बढ़ गई है। स्थानीय नेता, समर्थक और कार्यकर्ता चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। उनकी रणनीति और जनसंपर्क अभियान आगामी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

कुल मिलाकर, गायघाट विधानसभा सीट से कोमल सिंह का चुनावी मैदान में उतरना **बिहार की राजनीति मे नंए समीकरण** बना सकता है। युवा और महिला उम्मीदवार के रूप में उनका प्रवेश JDU की चुनावी रणनीति और बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। इस चुनाव में जनता की उम्मीदें, युवा नेताओं की भूमिका और राजनीतिक परिवारों का दबदबा सभी मिलकर अगले विधानसभा चुनाव को और रोमांचक बनाएंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.